Shri S. M. Banerjee:
Shri S. M. Joshi:

Will the Minister of External Affairs be pleased to state:

(a) the number of international and world bodies, associations, organisations and committees of which India is a member;

(b) the annual subscription paid by India to each of these organisations and the currency in which it is paid; and

(c) the rise in the amount to be paid as subscription consequent upon devaluation?

The Minister of External Affairs (Shri M. C. Chagla): (a) A list of the various international bodies of which India is a member is placed on the Table of the House. [*Placed in Library. See* No. LT-514/67].

(b) and (c). Information is being collected and will be placed on the Table of the House in due course.

Racial Discrimination in Britain

***280. Shri Mohammad Ismail:**
Shri Umanath:
Shri Ganesh Ghosh:
Shri B. K. Modak:
Shri Bhagaban Das:
Dr. Ranen Sen:
Shri George Fernandes:
Shri J. H. Patel:
Shri Madhu Limaye:
Shri Sidheshwar Prasad:
Shri P. K. Deo:
Shri K. P. Singh Deo:
Shri Baburao Patel:
Shri Hem Barua:
Shri Surendranath Dwivedy:
Shri Nath Pai:

Will the Minister of External Affairs be pleased to state:

(a) whether a survey conducted by Political and Economic Planning (PEP) in U.K. recently disclosed widespread racial discrimination in Britain against coloured migrants including Indians;

(b) if so, whether Government have taken up this question with the British Government; and

(c) whether Government are considering the proposal to raise the question of human rights in the concerned UNO Committee?

The Minister of External Affairs (Shri M. C. Chagla): (a) Yes, Sir.

(b) Our High Commission has taken up individual cases with the British authorities.

(c) There seems no need to do so at present as the British authorities themselves are thinking of introducing legislation in regard to this matter.

एमरजेंसी कमीशन प्राप्त अधिकारियों की छंटनी

***281. श्री हुकम चन्द कछवाय :**
श्री राम सिंह अयरवाल :
श्री यु० कु० लापुङ्किया :
श्री गाडिलिंगन गौड़ :
श्री मुहम्मद इस्माइल :
श्री देवकीनन्दन पाटोदिया :

क्या रक्षा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि सरकार ने एमरजेंसी कमीशन प्राप्त अधिकारियों की छंटनी करने का निश्चय किया है ;

(ख) यदि हां, तो इन अधिकारियों को कौन सी अन्य नौकरियां दी जायेंगी ;

(ग) क्या सरकार इन प्रशिक्षण प्राप्त अधिकारियों को प्रतिरक्षा मंत्रालय के अन्य विभाग अथवा देश के सुरक्षा बलों में नौकरी देने का विचार कर रही है; और

(घ) यदि नहीं, तो उसके क्या कारण हैं ?

प्रतिरक्षा मंत्री (श्री स्वर्ण सिंह) : (क) जी हां। ऐसे एमरजेंसी कमीशन प्राप्त अफसरों को, जो या तो अधिकायु हो गए हैं या जिन्होंने स्थाई कमीशन लेना स्वीकार नहीं किया है या जिन्हें स्थाई कमीशन देने के योग्य नहीं पाया गया है, 1967–70 के दौरान चार बैचों में निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार विमुक्त किया जायगा।

(ख) सरकार ने अखिल भारतीय सेवाओं और विभिन्न केन्द्रीय सेवाओं के प्रथम और द्वितीय श्रेणियों के पदों में उन स्थाई जगहों का कुछ प्रतिशत आरक्षित करने के लिए कदम उठाए है, जो कि संघ लोक सेवा आयोग द्वारा प्रतियोगी परीक्षा और / या इन्टरव्यू के आधार पर भरे जाते हैं और जिनके लिए देश भर के सभी महत्वपूर्ण समाचार पत्रों में विज्ञापन प्रकाशित किए जाते हैं। यह काम प्रत्येक अफसर का अपना है कि वह ऐसे विज्ञापनों को देखें और जिनके लिए वे योग्य हों, उनके लिए आवेदन पत्र भेजें।

बहुत सी राज्य सरकारों ने भी एमरजेंसी कमीशन अफसरों के लिए अपनी सर्विसों में रिक्त स्थानों का कुछ प्रतिशत आरक्षित करने के लिए आदेश जारी किये हुए है। इन रिक्त स्थानों के लिए विज्ञापन प्रकाशित होने पर एमरजेंसी कमीशंड अफसरों को स्वयं उपयुक्त प्राधिकारी को आवेदन पत्र भेजना होता है।

जहां तक सरकारी संस्थाओं और निजी फर्मों का प्रश्न है, एमरजेंसी कमीशंड अफसर संबंधित प्राधिकारी को खाली जगहों के लिए सीधे आवेदन पत्र भेज सकते हैं और उसकी एक प्रति पुनःस्थापन महानिदेशक को भेजनी होती है जो अपनी ओर से यह देखेगा कि भर्ती के समय एमरजेंसी कमीशंड अफसरों को प्राथमिकता दी जाये, रक्षा मंत्रालय ने गैर-सरकारी क्षेत्र में बहुत से उद्योगपतियों को लिखा है कि वे अपने यहां यथासंभव अधिक से अधिक एमरजेंसी कमीशंड अफसरों को लगाने का प्रयत्न करें।

(ग) जी हां,

(घ) प्रश्न नहीं उठता।

भारत तथा आस्ट्रेलिया के प्रतिनिधियों की वार्ता

*282. श्री जगन्नाथ राव जोशी :
श्री हुकम चन्द कछवाय :
श्री राम सिंह अयरवाल :
श्री मधु लिमये :
श्री स॰ मो॰ बनर्जी :
डा॰ राम मनोहर लोहिया :
श्री जार्ज फरनेन्डीज :
श्री ह॰ प॰ चटर्जी :
श्री दत्तात्रेय कुंटे :
श्री स॰ चं॰ सामन्त :
श्री यशपाल सिंह :
श्री विभूति मिश्र :
श्री क॰ ना॰ तिवारी :
श्री म॰ ला॰ प्रसाद :

क्या वैदेशिक-कार्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि हाल में नई दिल्ली में भारत तथा आस्ट्रेलिया के प्रतिनिधियों के बीच तीन दिन तक वार्ता हुई थी ; और

(ख) यदि हां, तो उन विषयों का, जिन पर विचार-विमर्श हुआ था यदि कोई करार हुआ है तो, उसका भी ब्योरा क्या है ?

वैदेशिक-कार्य मंत्री (श्री मु॰ क॰ चागला) : (क) जी हां।

(ख) बातचीत के दौरान आम तौर पर अंतर्राष्ट्रीय स्थिति और विशेष तौर पर दक्षिण पूर्व एशिया की समस्याओं पर चर्चा हुई थी। ये विषय थे : भारत–पाकिस्तान संबंध, वियतनाम, चीन, आणविक अप्रसारण और हथियार-परिहार, संबंधित आर्थिक और सांस्कृतिक सहयोग, संयुक्त राष्ट्र तथा राष्ट्र-